



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—पांच ३—खण्ड (१)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 463]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 1, 1989/माह 10, 1911

No. 463] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 1, 1989/BHADRA 10, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के क्षण में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1989

सं. 174/89-केन्द्रीय उत्तादशुल्क

सा.का.नि. 801(भ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्तादशुल्क और
नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा ५ का द्वारा प्रवत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपना यह समाधान हो जाने पर कि
लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है मह निदेश देती है कि इससे
ज्यादा सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट भारत सरकार के वित्त
मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रत्येक अधिसूचना का उक्त सारणी के
स्तंभ (3) की तर्तुतानी प्रदिल्लि में विनिर्दिष्ट रूप से संशोधन
किया जाएगा।

सारणी

क्रम सं. अधिसूचना सं. और तारीख	संशोधन	
(1)	(2)	(3)

1. 140/83-केन्द्रीय उत्तादशुल्क, तिथि 5 मई 1983	उक्त अधिसूचना के पैरा 4 में निम्न- लिखित परिचुक जोड़ा जाएगा प्रत्यापित :— “परन्तु इस पैरा के अधीन निकासियों के कुल मूल्य की संगणना करने के प्रयोजन के लिए उत्तादशुल्क योग्य किसी ऐसे माल की निकासियों की ओर ध्यान नहीं दिया जाएगा जहाँ विनिर्माता विनिर्दिष्ट माल पर किसी घम्य ऐसे व्यक्ति का नाम या व्यापार नाम (जो रजिस्ट्रीहृत हो या न हो) चिपकाता है जो इस अधिसूचना के प्रधीन कूट विए जाने का पाल नहीं है”।
-------------------------------------------------	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
2. 175/86-केन्द्रीय जलादाशुल्क तारीख 1 मार्च 1986	उक्त अधिसूचना के,— (1) पैरा 3 में, निम्नलिखित परस्तुक जोड़ा जाएगा अर्थात्:— “परस्तु इस पैरा के अधीन निकासियों के कुल मूल्य की संगणना करने के प्रयोजन के लिए जलादाशुल्क योग्य किसी ऐसे माल की निकासियों की ओर व्याप नहीं दिया जाएगा जहाँ विनिर्माता विनिर्दिष्ट माल पर किसी अन्य ऐसे किसी व्यक्ति का बोड नाम या व्यापार नाम (जो रजिस्ट्रीकृत हो या न हो) चिपकाता है जो इस अधिसूचना के अधीन कूट विए जाने का पात्र नहीं है”। (2) पैरा 4 में,— (क) परस्तुक के बाद (ख) में “या भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (याजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 53/88-केन्द्रीय जलादाशुल्क तारीख 1 मार्च 1988 से उपादान सारणी के क्रमसंबंधीक 39 के अनुतार कूट” शब्दों आ लोप किया जाएगा। (ख) परस्तुक के पश्चात् निम्न- लिखित परस्तुक अंतर्स्थापित किया जाएगा अर्थात्:— “परस्तु यह और कि पहले परस्तुक के बाद (ख) की कोई आत ऐसे भासले में लागू नहीं होगी जहाँ कोई ऐसा विनिर्माता जो किसी कारखाने में विनि- र्दिष्ट माल का विनिर्माण कर रहा है और जो तकनीकी विकास महानिवेशालय के पास उद्योग (विकास विनियमन) अधि- नियम, 1951 (1951 का 65) के अधीन रजिस्ट्रीकृत है और उसने वित्त वर्ष 1986-87 के दौरान इस अधिसूचना के अधीन कूट का लाभ उठाया है और वित्त वर्ष 1987-88 तथा 1988-89 के दौरान सभी जलादाशुल्क योग्य माल की निकासियों का कुल मूल्य एक सौ पचास लाख रु. से नहीं बढ़ा” और (3) पैरा 3 का लोप किया जाएगा।	3. 75/87-केन्द्रीय जलादाशुल्क तारीख 1 मार्च 1987	उक्त अधिसूचना के पैरा 2 में निम्नलिखित परस्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात्:— ‘परस्तु इस पैरा के प्रधीन निकासियों के कुल मूल्य की संगणना करने के प्रयोजन के लिए जलादाशुल्क योग्य किसी ऐसे माल की निकासियों की ओर व्याप नहीं दिया जाएगा जहाँ विनिर्माता विनिर्दिष्ट माल पर किसी अन्य ऐसे व्यक्ति का बोड नाम या व्यापार नाम (जो रजिस्ट्रीकृत हो या न हो) चिपकाता है जो इस अधिसूचना के अधीन कूट दिए जाने का पात्र नहीं है’।		
		[फा. सं. 354/47/89-टी भार. यू.] भार. के, महाजन, प्रब्र. सचिव			
		MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue) NOTIFICATION			
		New Delhi, the 1st September, 1989 NO. 174/89—CENTRAL EXCISES			
		G.S.R. 801(E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), specified in column (2) of the Table hereinafter annexed shall be further amended in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.			
		TABLE			
	SI. Notification No. & date No.	Amendment No.			
(1)	(2)	(3)			
1. 140/83—Central Excises, dated 5th May, 1983.	In the said notification, to paragraph 4, the following proviso shall be added, namely:—				
	“Provided that for the purposes of computing the aggregate value of clearances under this para- graph, the clearance of any excisable goods where a manufacturer affixes the specified goods with a brand name or trade name (registered or not) of another person, who is not eligible for the grant of exemption under this notification, shall not be taken into account”.				

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
175/86—Central Excises, dated the 1st March, 1986.	In the said notification,— (1) to paragraph 3, the following proviso shall be added, namely :— “Provided that for the purposes of computing the aggregate value of clearances under this paragraph, the clearances of any excisable goods where a manufacturer affixes the specified goods with brand name or trade name (registered or not) of another person who is not eligible for the grant of exemption under this notification, shall not be taken into account”;			and is registered under the Industries (Develop- ment and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) with the Directorate Ge- neral of Technical Deve- lopment and has availed of the exemption under this notification during the financial year 1986-87 and the aggregate value of clearances of all exci- sable goods during ex- financial years 1987-88 and 1988-89 did not exceed rupees one hundred and fifty lakhs”, and (iii) paragraph 6 shall be omitted.	
(ii) in paragraph 4.— (a) In the proviso, in clause (b), the words “or the exemption in terms of S. No. 39 of the table annexed to the noti- fication of the Govern- ment of India in the Ministry of Finance (De- partment of Revenue) No. 53/88-Central Excis- es, dated the 1st March, 1988” shall be omitted: (b) after the proviso, the following proviso shall be inserted, namely :— “Provided further that nothing contained in clause (b) of the first pro- viso shall apply in a case where a manufacturer who is manufacturing speci- fied goods in a factory	3. 75/87—Central Excises, dated 1st March, 1987		In the said notification in paragraph 2, the follo- wing proviso shall be added, namely :— “Provided that for the purposes of computing the aggregate value of clearances under this paragraph, the clearances of any excisable goods where a manufacturer affixes the specified goods with a brand name or trade name (registered or not) of another person who is not eligible for the grant of exemption under this notification, shall not be taken into account”.		

[F. No. 354/47/89-TRU]

R.K. MAHAJAN, Under Secy.

